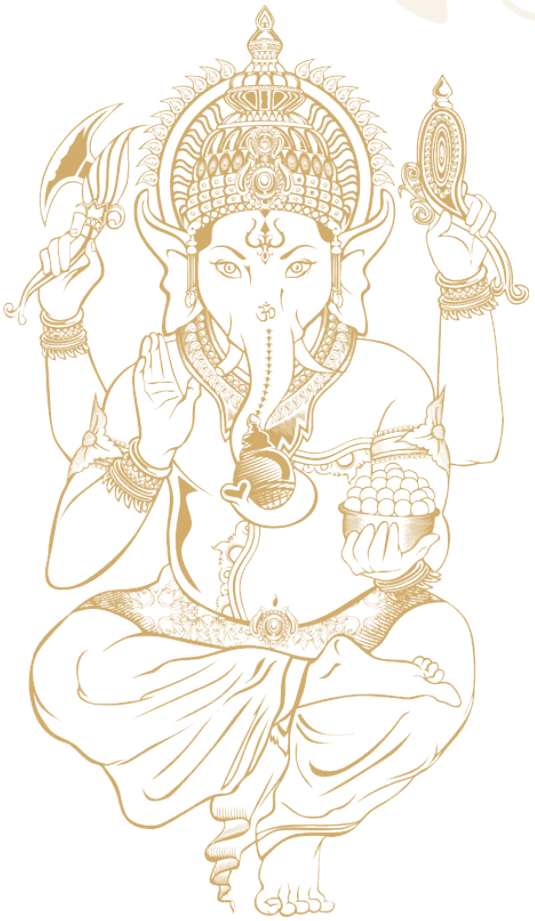

Nikhil jain

Shivani jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121828205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/04/1997	जन्म तिथि	31/07/1996
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:03:00	जन्म समय	14:10:00 घंटे
घटी 33:16:06	जन्म समय(घटी)	21:08:36 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Rajakhera River
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:44:33	सूर्योदय	05:41:17
18:46:19	सूर्यास्त	19:05:38
23:49:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:38

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 7मा 0दि		16:58:55	तुला	लग्न	वृश्चि	05:13:14	मंगल 4वर्ष 8मा 0दि	
शुक्र		12:32:03	मेष	सूर्य	कर्क	14:36:10	गुरु	
27/11/2007		27:11:15	वृश्चि	चंद्र	मक	27:46:37	01/04/2019	
27/11/2027		22:55:44	सिंह व	मंगल	मिथु	09:56:31	01/04/2035	
शुक्र	28/03/2011	10:40:39	मेष व	बुध	सिंह	04:02:24	गुरु	19/05/2021
सूर्य	28/03/2012	25:08:27	मक	गुरु व	धनु	15:46:51	शनि	01/12/2023
चन्द्र	26/11/2013	18:44:05	मेष	शुक्र	मिथु	00:41:07	बुध	08/03/2026
मंगल	26/01/2015	19:42:51	मीन	शनि व	मीन	13:27:30	केतु	12/02/2027
राहु	26/01/2018	04:16:41	कन्या व	राहु व	कन्या	16:03:32	शुक्र	13/10/2029
गुरु	26/09/2020	04:16:41	मीन व	केतु व	मीन	16:03:32	सूर्य	01/08/2030
शनि	27/11/2023	14:44:24	मक	हर्ष व	मक	08:33:11	चन्द्र	01/12/2031
बुध	27/09/2026	06:07:50	मक	नेप व	मक	02:12:58	मंगल	06/11/2032
केतु	27/11/2027	11:09:41	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:33:07	राहु	01/04/2035

लग्न-चलित

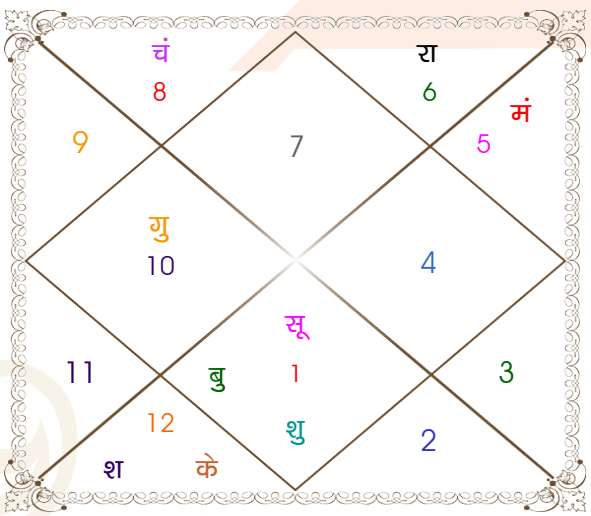

लग्न-चलित

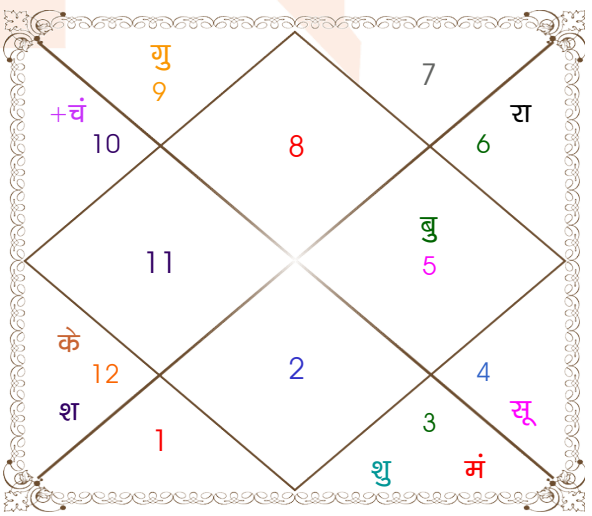

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

छपीपस रंपद का वर्ग मृग है तथौपअंदप रंपद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छपीपस रंपद औरौपअंदप रंपद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छपीपस रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ौपअंदप रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छपीपस रंपद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छपीपस रंपद तथौपअंदप रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com